बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग – 1

08 फाल्गुन, 1938 (श.)

सोमवार, तिथि ----------

27 फरवरी, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 18

1.	ग्रामीण कार्य विभाग	....	....	09
2.	कृषि विभाग	....	....	02
3.	पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग	....	....	01
4.	ग्रामीण विकास विभाग	....	....	02
5.	पथ निर्माण विभाग	....	....	04

			कुल योग –	**18**

सरकारी राशि की अदायगी नहीं

* 1. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, अरेराज के 22 जेई के विरुद्ध 10 करोड़ 30 लाख 33 हजार 740 रुपये का लेखा-जोखा नहीं देने तथा सेवानिवृत्ति के बाद भी उक्त राशि को जमा नहीं करने हेतु 278 नीलामवाद दायर किया गया हैं;

(ख) क्या यह सही है उक्त 22 जेई के कार्यकाल से सेवानिवृत्ति तक सरकारी राशि का उठाव कर अपने परिजनों के नाम से ठेकेदारी करने का आरोप लग चुका है तथा दैनिक अखबारों में भी बार-बार आम सूचना के माध्यम से उक्त सरकारी राशि लौटाने का विज्ञापन भी दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त जेई से 10 करोड़ 30 लाख 33 हजार 740 रुपये लगभग 8-10 वर्षों से रखने के आरोप में उक्त राशि समेत सरकारी दर पर ब्याज के साथ वसूल करना चाहती है, नहीं वसूले जाने पर एफ.आई.आर. दर्ज कर घर, जमीन इत्यादि की कुर्की-जब्ती कर नीलाम कर सरकारी राशि को वसूलना चाहती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पुल निर्माण नहीं

* 2. **डा. उपेन्द्र प्रसाद**: क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के डुमरिया प्रखंड अन्तर्गत पंचायत-भोकहा, ग्राम-चहरा पहरा एवं बसडीहा (टोला खोच) के बीच सुरहर नदी पर पुल नहीं रहने से बरसात के दिनों में ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी होती है;

(ख) यदि खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार जनहित में उक्त स्थान पर पुल का निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

मृदा हेल्थ वार्ड उपलब्ध नहीं

***** 3. **श्री मंगल पांडेय** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि केन्द्र सरकार के द्वारा मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी के लिए मृदा हेल्थ कार्ड किसानों को उपलब्ध कराने के लिए एक करोड़ रुपये वित्तीय वर्ष 2016-17 में उपलब्ध कराया है;

(ख) क्या यह सही है कि बिहार में किसानों की संख्या 72 लाख है। मिट्टी की उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिट्टी की जांच जरूरी है इसी उद्देश्य से केन्द्र सरकार ने उपर्युक्त राशि की स्वीकृति दी थी। परन्तु मात्र 15 लाख 95 हजार किसानों को ही मृदा हेल्थ कार्ड अभी मिल पाया है। शेष 58 लाख किसान मृदा हेल्थ कार्ड से वंचित हो गये हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो शेष किसान जिन्हें मृदा हेल्थ कार्ड उपलब्ध नहीं कराया गया है, को उस वित्तीय वर्ष में मृदा हेल्थ कार्ड उपलब्ध कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पथ का पक्कीकरण कबतक

***** 4. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत कुचायकोट प्रखंड के सल्लेहपुर पंचायत के भोजछापर ग्राम के सारण बांध से सल्लेहपुर से होकर उत्तर प्रदेश की सीमा तक जाने वाले पथ का आज भी इट्टीमिट्टी करण ही हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ दियारा क्षेत्र के आवागमन का मुख्य पथ है, जिसकी स्थिति जर्जर है;

(ग) क्या यह सही है कि बाढ़ के दिनों में उक्त पथ पर आवागमन में दियारावासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पथ का पक्कीकरण कराकर दियारावासियों को कबतक अंदर पथ का लाभ देना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

राशि खर्च नहीं

***** 5. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में कृषि क्षेत्र में विभिन्न यंत्रों पर अनुदान देने के लिए 175 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई परन्तु वित्तीय वर्ष 2016-17 खत्म होने में कुछ ही दिन शेष बचे हैं कृषि यांत्रिकरण की 25 प्रतिशत राशि खर्च नहीं हो सकी है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के 16 जिले ऐसे हैं जहां यांत्रिकरण का एक पैसा नहीं खर्च हो सका है, सरकार उदासीन है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राज्य के किसानों को वित्तीय वर्ष 2016-17 खत्म होने के पूर्व कृषि यांत्रिकरण की राशि खर्च करना चाहती है, यदि हां तो कैसे, नहीं तो क्यों ?

मानदेय में वृद्धि कबतक

***** 6. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर एवं बेगूसराय जिलों में मछलीपालन की अपार संभावना है। विगत वर्षों में मत्स्य उत्पादन में इन जिलों में कुल 8.305 हजार टन मछली उत्पादन में वृद्धि हुई है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के दस जिलों में पारा एक्सटेंशन वर्कर (मत्स्य स्नातक) को मानदेय के आधार पर नई तकनीक के माध्यम से मछलीपालन हेतु किसानों को जागरूक करने के लिए लगाया जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर एवं बेगूसराय जिलों के मत्स्य स्नातक का मानदेय क्या है एवं इसमें वृद्धि करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

राशि का भुगतान सुनिश्चित नहीं

***** 7. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य में गरीबी रेखा (बीपीएल) से नीचे जीवन-यापन करने वाले के सदस्यों की मौत होने पर अंतिम संस्कार के लिए कबीर अंत्येष्टि अनुदान देने का प्रावधान है;

(ख) क्या यह सही है कि विभागीय जटिलता एवं उदासीनता के कारण उन गरीब परिवारों को कबीर अंत्येष्टि योजना का लाभ तत्काल प्रभाव से नहीं मिल पाता है जिससे उन परिवारों में किसी की मृत्यु होने पर उनके असहाय परिजनों को कफन तक के लिए दर-दर भटकने के लिए विवश होना पड़ता है और फंड के अभाव में उन्हें कर्ज लेकर अंत्येष्टि क्रिया करने के लिए भी मजबूर होना पड़ता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस मद में आकस्मिक फंड संगृहीत करने एवं लाभुक परिवारों/परिजनों को तुरंत अंत्येष्टि योजना राशि का भुगतान सुनिश्चित करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

पथ मरम्मती कबतक

***** 8. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि शेखपुरा जिलान्तर्गत चेबारा सिरारी पथ, चन्द्रदीप भाया लोहान भलुला पथ, जखराज स्थान से कॉलेज मोड़ पथ, गंगली मोड़ से मेहूंस कॉलेज पथ भाया भदरथी पथ काफी जर्जर स्थिति में है, जिसमें वाहन चलाने में काफी कठिनाइयों का सामना उठाना पड़ रहा है;

(ख) सरकार उपर्युक्त सभी वर्णित पथों की मरम्मती का कार्य कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

बाइपास का निर्माण नहीं

***** 9. **श्री मो. गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अरवल जिला मुख्यालय में बाइपास नहीं होने के कारण भारी वाहनों का आवागमन मुख्यालय के बीच बाजार से होता है जिसके कारण भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती तथा दुर्घटना भी होती है;

(ख) क्या यह सही है कि बिहार सरकार की यह नीति है कि जिला मुख्यालयों को जाम एवं दुर्घटना से मुक्त करने के लिए बाइपास का निर्माण किया जाय;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार अरवल में बाइपास का निर्माण कबतक करना चाहेगी, नहीं तो क्यों ?

पथ की मरम्मती नहीं

***** 10. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी डुमरा अम्बेडकर चौक से राजोपट्टी होते हुए मेहसौल चौक तक की सड़क की स्थिति काफी जर्जर एवं दयनीय है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ चौड़ा नहीं रहने के कारण आवागमन में काफी कठिनाई होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पथ की मरम्मती एवं चौड़ीकरण कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

पथ निर्माण पूर्ण नहीं

***** 11. **डा. रामवचन राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला में अवस्थित ग्रामीण कार्य प्रमंडल, फुलपरास के अंतर्गत गोरगामा-परसा हाल्ट पथ विगत 2006-07 से निर्माणाधीन है, जिसका निर्माण कार्य अबतक करीब अस्सी-पच्चासी प्रतिशत ही हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि भुतही बलान नदी से पीड़ित ग्रामीणों को आवागमन के लिए करीब 8-9 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ होने के बावजूद इसके मध्य अवस्थित नदी की करीब 90-95 मीटर चौड़ाई की मुख्य धारा पर अभी तक पुल के निर्माण की स्वीकृति नहीं दी गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार यह बतलाना चाहती है कि अबतक उक्त पथ का पूर्ण निर्माण न होने तथा नदी की मुख्य धारा पर पुल का निर्माण की स्वीकृति नहीं दिये जाने का क्या औचित्य है तथा इस दिशा में अबतक कौन-सी कार्रवाई की गई है ?

पुल का जीर्णोद्धार नहीं

***** 12. **श्री केदारनाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-28 गोपालगंज से पिपरा कोठी (पूर्वी चम्पारण) जाने वाले पथ पर गंडक नदी में डुमरिया घाट पुल अत्यंत जर्जर है;

(ख) क्या यह सही है कि इस पथ पर उत्तर प्रदेश से बिहार होते हुए असम जाने वाले भारी वाहनों की आवाजाही ज्यादा है और किसी भी समय पुल के ध्वस्त हो जाने का खतरा है;

(ग) क्या यह सही है कि इसके समानान्तर बनने वाला पुल आधी-अधूरी अवस्था में ही ध्वस्त हो गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार डुमरिया घाट पुल का जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है?

जर्जर सड़क का निर्माण कबतक

***** 13. **श्री सच्चिदानन्द राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि छपरा जिलान्तर्गत मध्य विद्यालय, नटवर सेमरिया से लेकर मरहा पुल तक की सड़क काफी जर्जर हो गई है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जर्जर सड़क को बनवाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क निर्माण कबतक

***** 14. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिला के अंतर्गत मटिहानी प्रखंड सफापुर पंचायत मुख्यालय की प्राय: सभी सड़कें जर्जर और गड्ढे में तब्दील हैं;

(ख) क्या यह सही है कि भैरवार चौक से सफापुर दरियापुर पथ के निर्माण के लिए 6 बार निविदाएं आमंत्रित हो चुकी हैं लेकिन सड़क का निर्माण नहीं हो रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि विशेष मरम्मती के प्राक्कलन के आधार पर बार-बार निविदा आमंत्रित की जाती है और उसकी दर पुरानी रहती है, इसलिए उस लागत पर सड़क बनना संभव नहीं हो पाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार विभागीय स्तर पर ही खंड 'क' में वर्णित सड़क का निर्माण कराना चाहती है ?

प्रखंड का दर्जा कबतक

***** 15. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के सरैया हसन बाजार और बक्सर जिला के धनसोई, सोनवर्षा, सिकरौल, कोरानसराय को प्रखंड बनाने के लिए सरकार के पास प्रस्ताव लंबित है;

(ख) क्या यह सही है कि सरैया, हसन बाजार और बक्सर जिला के धनसोई, सोनवर्षा, सिकरौल, कोरानसराय को प्रखंड नहीं बनाने के कारण ग्रामीण जनता को आने-जाने में काफी कठिनाई होती है और विकास कार्य भी बाधित हो जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार भोजपुर जिला के सरैया हसन बाजार और बक्सर जिला धनसोई, सोनवर्षा, सिकरौल और कोरान सराय को प्रखंड का दर्जा देना चाहती है, नहीं तो क्यों ?

पुलिया निर्माण कबतक

*** 16. श्री रणविजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत सहार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के समीप एक पुलिया के टूट जाने से पुलिया के दोनों तरफ आवागमन पूरी तरह ठप है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार उक्त पुलिया का निर्माण कबतक कराएगी, यदि नहीं तो क्यों ?

संवेदक पर कार्रवाई नहीं

***** 17. **श्री सी.पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत भागलपुर शहर से मिर्चा चौकी तक एन.एच.-80 सड़क का निर्माण होना था;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क का निर्माण सिर्फ भागलपुर से सबौर तक ही कराया गया। शेष कार्य संवेदक द्वारा अधूरा छोड़ दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त सड़क की स्थिति अत्यंत ही जर्जर है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' पर अंकित सड़क के शेष कार्य को पूरा कराना चाहती है तथा उक्त सड़क पर उदासीन संबंधित संवेदक पर दंडात्मक कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क निर्माण कबतक

***** 18. **श्री सोने लाल मेहता** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि खगड़िया जिला के खगड़िया प्रखंड अन्तर्गत रहीमपुर उत्तरी पंचायत में आर.ई.ओ. सड़क वार्ड नं.-10 से कुर्मी टोला पंचखुट्टी तक की सड़क राज्य कोर नेटवर्क में शामिल है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित सड़क की स्थिति अत्यंत ही जर्जर रहने के कारण आमजनों को काफी कठिनाई हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उपर्युक्त वर्णित सड़क का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पटना
दिनांक 27 फरवरी, 2017 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्